24/4/25 वकील वादी उपन बार-बार प्रतिवादीगण की तलबी करवाने हेतु अवसर दिया जा चुका है किन्तु वकील वादी द्वारा प्रतिवादीगण की तलबी नहीं करवाई जा रही है अतः वादी का वाद तलबी के अभाव में खारिज किया जाता है पत्रावली फैसला शुमार होकर नंबर से कम की जमा दाखिल दफ्तर हो।

Rajendra